मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रदेश के शहरी विकास मंत्री शांति धारीवाल के साथ शुक्रवार को कोटा की सैर की। दिग्विजय सिंह ने चंबल रिवर फ्रंट, ऑक्सीजोन पार्क एवं चंबल रिवर फ्रंट के समीप बनी बावड़ी इत्यादि का भ्रमण किया। इस मौके पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि इन विकास कार्यो में आधुनिक कौशल के साथ-साथ राजस्थान की प्राचीन स्थापत्य कला का बेजोड़ उपयोग हुआ है। कोटा के यह दर्शनीय स्थल आने वाले समय में कोटा के पर्यटन को विश्वस्तरीय पहचान दिलायेंगे।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कोटा के विकास कार्यों का अवलोकन किया

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, कोटा में विश्व स्तरीय विकास कार्य हुए हैं जिनका अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार प्रसार किया जाये

- **दिग्विजय सिंह ने शांति धारीवाल के साथ चंबल रिवर फ्रंट की सैर की, और प्रवेश द्वार के समीप नवनिर्मित बावड़ी की राजस्थानी स्थापत्य कला की प्रशंसा की।**
- **दिग्विजय सिंह ने ऑक्सीजोन पार्क का भी भ्रमण किया और कहा कि, यह आधुनिकता और हरियाली का बेजोड़ संगम है, यह कोटा के कोचिंग विद्यार्थियों के लिए भी बेहद उपयोगी है।**

कोटा, 9 दिसम्बर (निसं)। कोटा शहर में पिछले 4 सालों में आधारभूत एवं पर्यटन महत्व के विकास कार्यो का मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने स्वायत्त शासन मंत्री शांति धरीवाल के साथ शुक्रवार को अवलोकन कर इन्हें कोटा की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बढ़ाने वाले बताया।

उन्होंने कहा, कोटा अब अन्तर्राष्ट्रीय मापण्डों के अनुसार सुन्दर शहर हो गया है, आवश्यकता दुनिया के सामने इनके प्रचार प्रसार की है। पूर्व मुख्यमंत्री सबसे पहले चंबल रिवर फ्रंट देखने पहुंचे जहां प्रवेश द्वार के समीप फार्टवॉल के समीप नवनिर्मित बावड़ी का का अवलोकन किया, उन्होंने इसमें राजस्थानी स्थापत्य शैली को देखकर अद्भुत निर्माण बताया। उन्होंने चंबल रिवर फ्रंट पर विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर इसे देश दुनिया का बेहतरीन कार्य बताते हुए कहा कि साबरमती के रिवरफ्रंट से भी अच्छा कार्य यहां पर्यटक देख सकेंगे। उन्होंने रिवर फ्रंट के प्रचार-प्रसार के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कांफ्रेंस आयोजित कर पर्यटकों के लिए जानकारी पहुंचाने की सलाह दी। उन्होंने परम्परा एवं आधुनिकता का बेजोड़ संगम ऑक्सीजोन पार्क का अवलोकन किया तो हरियाली एवं आधुनिक सुविधाओं का नजारा देखकर कोटा कोचिंग के लिए आने वाले विद्यार्थियों के लिए अद्भुत कार्य बताया।

उन्होंने कहा कि, कोटा में विकसित किए जा रहे पर्यटन विकास के कार्य अकल्पनीय हैं ये देश दुनिया के पर्यटकों के लिए यादगार बनेंगे। विश्व मानचित्र के पटल पर पर्यटन के क्षेत्र में कोटा की नई पहचान बनाएंगे। उन्होंने विकास कार्यों में स्वायत्त शासन मंत्री की पहल पर नगर विकास द्वारा किए गए वित्तीय प्रबंधन की भी सराहना करते हुए कहा कि, राज्य सरकार द्वारा विकास कार्यों में राशि उपलब्ध नहीं होने के बावजूद वित्तीय प्रबंधन कर अभूतपूर्व विकास कार्य करवाना सराहनीय है।

इसके बाद पूर्व सीएम पशुपालकों के जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाली देवनारायण आवासीय योजना का जायजा लेने पहुंचे जहां एक ही स्थान पर पशुपालकों के लिए शहर की तर्ज पर विकसित किये गए संसाधनों को देख खासे प्रभावित हुए। उन्होंने पशुपालकों के आवास का भी अवलोकन किया। उन्होंने योजना को अन्य प्रदेशों के लिए अनुकरणीय बताते हुए कहा कि ऐसी योजनाएं देश के शहरों में विकसित की जानी चाहिए। उन्होंने कोटा में विकसित किए गए आकर्षक चौराहे नयापुरा, घोड़े वाले बाबा, एरोड्रम अंडरपास सहित सुगम आवागमन के लिए विकसित किए गए फ्लाईआवरों को भी देखा और स्वायत्त शासन मंत्री के विकास के विजन की खुले दिल से सराहना की।

'सचिन पायलट ने जहां प्रचार किया वहाँ 70 फीसदी सीटें कांग्रेस की झोली में आईं'

भारत जोड़ो यात्रा के विश्राम के समय अधिकांश कांग्रेसजनों में यही चर्चा सर्वाधिक रही

- **ग्रामीण लोगों से बात करने पर यही निकल कर आया कि, यदि राजस्थान में कांग्रेस के मामले में कोई फैसला जल्द नहीं हुआ, तो पार्टी बेहद खराब स्थिति में जा सकती है।**
- **लोगों का यह भी मानना था कि, ढुलमुल रवैया जारी रहा, तो राजस्थान में कांग्रेस 2023 विधानसभा चुनाव में अब तक के सबसे खराब प्रदर्शन की ओर जाती नजर आएगी।**

जयपुर, 9 दिसम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 4 दिन राजस्थान के झालावाड़ और कोटा जिले में चलने के बाद बूंदी जिले में विश्राम कर रही है। इस विश्राम के दौरान कांग्रेस जनों में सिर्फ यही चर्चा है कि, गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव परिणामों पर यदि चर्चा की जाए तो सामने आएगा कि किस नेता का पलड़ा भारी रहा और कौन नेता फिसड्डी साबित हुआ।

चर्चाओं में यही निकल कर आया कि जब 2017 विधानसभा चुनाव में गुजरात में कांग्रेस को 77 सीटें हासिल हुई थीं, तब अशोक गहलोत की वाहवाही हुई थी,अब जब वे वरिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में गुजरात में मौजूद थे और पार्टी आज तक के सर्वाधिक खराब प्रदर्शन के बाद सिर्फ 17 सीटें हासिल कर पाई, तो क्या इसके लिए अशोक गहलोत जिम्मेदार नहीं हैं?

कांग्रेस नेता यह भी कह रहे हैं कि, बिना किसी पद के, एक साधारण विधायक के रुप में कांग्रेस के स्टार प्रचारक और हिमाचल प्रदेश के कनिष्ठ पर्यवेक्षक के रुप में 21 विधानसभा सीटों पर रैली करने के बाद 13 सीटें कांग्रेस की झोली में डालने वाले सचिन पायलट वास्तव में कांग्रेस की सबसे बड़ी संपत्ति बन गए हैं।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के विश्राम के दिन ना सिर्फ कांग्रेसजनों में यह चर्चा थी, बल्कि जहां यात्रा रुकी हुई है,उस विधानसभा क्षेत्र, केशोरायपाटन के आम लोगों से चर्चा करने पर भी इसी तरह की बातें निकल कर सामने आई हैं।

लोगों का मानना था कि, निश्चित तौर पर सचिन पायलट कांग्रेस के सबसे लोकप्रिय चेहरों में से एक हैं। ना सिर्फ हिमाचल प्रदेश में स्टार प्रचारक और कनिष्ठ पर्यवेक्षक के रूप में सचिन पायलट ने लगातार अपना समय दिया, बल्कि, इससे पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश, आसाम, तमिलनाडु, केरल, मध्य प्रदेश सहित, जहां भी कांग्रेस पार्टी ने उन्हें बुलाया, प्रचारक के तौर पर उन्होंने अपना पूरा समय दिया। इतना ही नहीं,जिन विधानसभा क्षेत्रों में सचिन पायलट ने सभाएं की, उनमें से 60 से 70 प्रतिशत सीटें कांग्रेस की झोली में गई हैं।

चर्चाओं में कांग्रेसजनों का कहना यह भी है कि राजस्थान में भी अब इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि, 2013 के विधानसभा चुनाव में जब कांग्रेस ने प्रदेश में अपना अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन करते हुए मात्र 21 सीटें जीती थीं, उस दौर में सचिन पायलट को प्रदेश के संगठन की जिम्मेदारी दी गई थी।

उस समय बहुत सारे कांग्रेस नेताओं का कहना था कि, सचिन पायलट को संगठन का अनुभव नहीं है लेकिन सचिन पायलट ने तमाम चर्चाओं, बयानों और संभावनाओं को खारिज करते हुए जिस तरह से संगठन को खड़ा किया और आगे बढ़े, उसी का नतीजा था कि 2018 में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में उनके नेतृत्व में राजस्थान में कांग्रेस सत्ता प्राप्त करने में सफल हुई। यह अलग बात है कि इतना होने के बावजूद उन्हें सरकार का नेतृत्व नहीं सौंपा गया।

इन सब चर्चाओं के बीच हाड़ौती ग्रामीण अंचल के लोगों से बात करने पर सामने आया है कि भले ही 2023 में भाजपा की सरकार आने की पूरी संभावना लग रही है, लेकिन यदि कांग्रेस आज भी नेतृत्व परिवर्तन पर निर्णय लेती है, तो 2023 के विधानसभा चुनाव की परिस्थितियों में बदलाव आ सकता है।

लोगों का कहना है कि, भाजपा जो आज बहुत सहज स्थिति में राजस्थान में सरकार बनाती नजर आ रही है, वह कांग्रेस सरकार का नेतृत्व परिवर्तन होने की स्थिति में संकट में आ सकती है।

इन्हीं चर्चाओं के बीच ग्रामीण लोगों का भी कहना है कि, हालांकि यह निर्णय कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को लेना है, जो अब तक निर्णय लेने के मामले में ढुलमुल रवैया अपनाता रहा है। यदि यही ढुलमुल रवैया जारी रहा, तो राजस्थान में 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का अब तक के सबसे खराब प्रदर्शन हो सकता है।

'गुजरात में हुआ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चेयरमैन डी.पी. जारोली लिप्त हैं। भाजपा की सरकार आने पर दोषियों पर कार्रवाई होगी और दोषियों को जेल भेजा जाएगा। रीट पेपर लीक मामला अभी तक शांत नहीं हो पाया है।

गुजरात चुनाव नतीजों का मुद्दा उठाकर देवनानी ने कहा कि गुजरात में राजस्थान मॉडल फेल हो गया। कांग्रेस की हालत पहले कभी भी ऐसी नहीं हुई। राजस्थान की जनता पहचान चुकी है। अशोक गहलोत द्वारा अपनी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को नकारा, निकम्मा और गद्दार तक कहा गया है, जो अपनी पार्टी के नहीं हुए वो प्रदेश की जनता के क्या होंगे।

उन्होंने जनाक्रोश यात्रा के बारे में भी बताया कि अब तक प्रदेशभर में 45 हजार किलोमीटर से ज्यादा यात्रा हो चुकी है। इसके अलावा 6114 सभाएं होने के साथ ही लाखों पत्रक बांटे जा चुके हैं। यात्रा के दौरान अब तक 84 हजार शिकायतें आई हैं। वीर सावरकर को लेकर राहुल गांधी के बयान पर देवनानी ने कहा कि सावरकर का आजादी में बड़ा योगदान था जो किसी भी कांग्रेसी से ज्यादा रहा है। उन्हें तो दो-दो बार आजीवन कारावास हुआ। जेल की यातनाएं सहनी पड़ी। उन्होंने पूछा कि आखिर सावरकर के खिलाफ राहुल गांधी किसके कहने पर बोलते हैं।

प्रदेश में शिक्षा के गिरते स्तर पर उन्होंने कहा कि मेरे समय मे शिक्षा के मामले राजस्थान दूसरे नंबर पर आ गया था। मगर इस सरकार ने शिक्षा का बंटाधार कर दिया। उच्च शिक्षा मे 50 फीसदी पद खली पड़े है और 490 में से 460 कॉलेज में अस्थायी प्राध्यापक लगे हैं। विश्वविद्यालयों में आज 2200 में से 1200 पद खाली पड़े हैं और उच्च शिक्षा के नाम पर कॉलेज बच्चों को लूट रहे हैं, लेकिन इस ओर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। कुल मिलाकर शिक्षा में जबर्दस्त भ्रष्टाचार हो रहा है।

विश्राम के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाए:- सोनिया गांधी के जन्म दिन के मौके पर आज विश्राम स्थली गुड़ली में प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं पूर्व वित्त राज्य मंत्री हरिमोहन शर्मा के नेतृत्व में केक काटकर सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाया गया।

इस अवसर पर कन्याकुमारी से निरन्तर यात्रा कर रहे विजेन्द्र सिंह अहलावत, सचिव राव, राजस्व मंत्री राम लाल जाट, पीसीसी सदस्य सत्येश शर्मा, जगरूप रंधावा, चर्मेश शर्मा, टीकम जैन, संजय तंबोली, बनवारी मीणा, चन्द्रप्रकाश दाधीच, बाबू लाल अशोक दाधीच, यशवन्म दाधीच सहित सैकड़ों भारत जोड़ो यात्रियों और कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा करवाया गया। विश्राम स्थल पर भव्य आतिशबाजी भी की गई, जिसे देख कर सभी भारत जोड़ो यात्री प्रफुल्लित हो गए।

इस मौके पर सभी भारत जोड़ो यात्रियों और कार्यकर्ताओं का जोश व उत्साह देखने लायक था। इससे पूर्व विश्राम स्थल पर सुबह भी पीसीसी सदस्य राकेश बोयत और कांग्रेस नेता प्रतिष्ठा यादव ने स्थानीय कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बड़े उत्साह से सोनिया गांधी का जन्मदिन मनाया। भारत जोड़ो यात्रा को लेकर क्षेत्रीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं सहित सभी ग्रामीणों में उत्साह देखा जा रहा है, जो बड़ी बेसब्री से राहुल गांधी का इंतजार कर रहे हैं।

किरोड़ी लाल मीणा का राज्यसभा में प्राइवेट मैम्बर्स बिल पास हुआ

नई दिल्ली, 9 दिसंबर (वार्ता)। विपक्षी दलों के भारी विरोध को मतविभाजन के जरिए नामंजूर करते हुए गैर सरकारी विधेयक 'भारत में एकसमान नागरिक संहिता 2022' शुक्रवार को राज्यसभा में पेश हो गया।

भारतीय जनता पार्टी के किरोड़ी लाल मीणा के इस विधेयक को पेश करने के लिए लाये गये प्रस्ताव के पक्ष में 63 तथा विरोध में 23 मत पड़े। तृणमूल कांग्रेस, बीजू जनता दल और वाई.एस.आर.सी.पी. के सदस्य मतविभाजन से पहले बिना कुछ कहे सदन से बाहर चले गये।

सभापति जगदीप धनखड़ ने जैसे ही मीणा का नाम यह विधेयक पेश करने के लिए पुकारा तो विपक्ष के कई सदस्य इसका विरोध करते हुए खड़े हो गये और कहा कि इसे पेश करने की अनुमति नही दी जानी चाहिए। इस पर धनखड़ ने कहा कि यह सदन विचार विमर्श करने के लिए हैं और विधेयक पेश करना और अपनी बात कहना प्रत्येक सदस्य का अधिकार हैं। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्यों ने इस विधेयक को पेश करने का विरोध किया है। लेकिन सब कुछ प्रक्रिया के तहत होगा। इसके बाद उन्होंने मीणा को विधेयक पेश करने की अनुमति दी और विरोध कर रहे सदस्यों का नाम पुकारा।

- **यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के प्रस्ताव के पक्ष में 63 व विपक्ष में 23 वोट पड़े।**

सदन के नेता पीयूष गोयल ने विपक्ष के विरोध को खारिज करते हुए कहा कि यह विधेयक संविधान के नीति निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप है।

शेरगढ़ गैस काण्ड: घायलों को अभी तो सहारे की जरूरत, केन्द्र हर संभव मदद देगा-शेखावत

'बाहर से डॉक्टरों को बुलाने की जरूरत पड़ी तो बुलाया जाएगा'

- **केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शेरगढ़ गैस काण्ड में घायल हुये लोगों से मिलने शाम को अस्पताल पहुंचे।**

जोधपुर, 9 दिसम्बर (कासं)। केंदीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि, घायलों को अभी तो सहारे की जरूरत है। उन्हें संभव मदद केंद्र की तरफ से दी जाएगी। गैस कांड की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक अपनी बात पहुंचाई है।

प्रशासन ने भी पूरी तरह तन्मयता से काम किया है। मुख्यमंत्री की तरफ से जो सहायता राशि दी गई और वे जोधपुर भी आए उसके उनका धन्यवाद है।

शेखावत आज जोधपुर में शेरगढ़ गैस कांड पीड़ितों से मिलने एमजीएच पहुंचे। उन्होंने मीडिया से बातचीत में यह बात कही।

केंद्रीय मंत्री शेखावत शाम को शेरगढ़ गैस कांड में घायलों की कुशल क्षेम पूछने के लिए पहुंचे। मृतकों के परिवार को ढांढस बंधाने के साथ अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। शेखावत ने जिला कलेक्टर से भी घायलों के उपचार के बारे में जानकारी जुटाई और एमजीएच में बर्न यूनिट में गए।

शेखावत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, अभी तो घायलों को संबल प्रदान करने का समय है। उन्हें हर तरह से मदद मिलें ऐसी जरूरत है। उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का भी धन्यवाद व्यक्त किया वे समय निकाल कर तुरंत जोधपुर आए और मृतकों के आश्रितों और घायलों को मदद की घोषणा की।

शेखावत ने कहा कि सात लोगों की मृत्यु इस कांड में हुई है अभी 15-20 लोग ऐसे है जिनकी हालत क्रिटिकल बनी हुई है। इनकी जान बचना जरूरी है।

भूंगरा हादसे में पाँच की और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैसे-तैसे घर में रखे दूसरे सिलैण्डरों को बाहर निकाला और महिलाओं व बच्चियों को बाहर लाकर हॉस्पिटल पहुंचाया।

एक प्रत्यक्षदर्शी महिला गंवरी ने बताया कि धमाके की आवाज सुनकर वह दौड़कर भाई के घर आई तो देखा कि घर आग की लपटों से घिरा है और महिलाओं व बच्चों के चिल्लाने की आवाज आ रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घर में तीन-चार दिन से फंक्शन चल रहा था। सभी बारात को लेकर तैयारी कर रहे थे। दोपहर में बारात जानी थी, लेकिन इससे पहले ही हादसा हो गया। हादसा इतना दर्दनाक था कि सिलेंडर ब्लास्ट होने के बाद हॉल की छत तक उड़ गई और सामान जल गया।

परिवार के सदस्यों के अनुसार हलवाई ने भट्टी के पास के सिलेंडर तो चैक किए, लेकिन स्टोर के सिलेंडर चैक करना भूल गया। स्टोर के सिलैण्डर से लीक होकर गैस धीरे-धीरे आंगन तक पहुंच गई और जैसे ही गैस भट्टी तक पहुंची तो चारों ओर आग फैल गई। भट्टी के पास लगे सिलैण्डर में ब्लास्ट हो गया।

परिवार की मांडू देवी ने बताया कि वह तैयार होकर बाहर ही निकली थी कि अचानक जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज आने लगी। उसने बताया कि घर का पूरा सामान जल गया। दीवारों में दरारें तक आ गई। जैसे-तैसे जान बचाई और हॉस्पिटल पहुंचाया। हादसे में घर में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया।

इस हादसे के बाद शादियां टल गई हैं। बताया जाता है कि दूल्हे सुरेंद्र सिंह की बारात बाड़मेर के खोखसर जानी थी, और इसके साले की बारात सुरेंद्र सिंह के ही रिश्ते के भाई भालू राजवां निवासी पदम सिंह के यहां आनी थी। पदम सिंह की की बेटी की सगाई सुरेंद्र सिंह के साले से आटे-साटे में हुई थी।

भूंगरा के उप सरपंच ने बताया कि सुरेंद्र सिंह के पिता सगत सिंह सहित तीन भाइयों का परिवार एक ही खेत में पास-पास रहता है। सगत सिंह के दो बड़े भाई हमीर सिंह व नरपत सिंह की मौत हो चुकी है। नरपत सिंह के का बेटा और उसका पूरा परिवार पास ही में स्थित देव स्थान पर धोक लगाने गया था और पीछे ये हादसा हो गया। आस-पास के 15 से 20 परिवारों से कोई न कोई सदस्य झुलस गया है। इस भीषण हादसे की खबर मिलने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज सुबह जोधपुर पहुंचे और घायलों के परिजन से बातचीत करने के साथ ढांढस बंधाया। मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की।

हादसे में मृतकों के आश्रितों को पांच- पांच लाख रु. की मदद चिरंजीवी योजना के तहत दी जाएगी साथ ही दो लाख रु. का अतिरिक्त फंड भी दिया जाएगा। इस हादसे में घायलों को एक-एक लाख रु. की मदद दी जाएगी।

गुरुवार को हुए इस हादसे में दो बच्चो की मौत तो उसी दिन हो गई थी।

5 साल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री की 31 विदेश यात्राओं पर 239,04,08625 करोड़ रूपए खर्च हुए हैं।

प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा (21 से 28 सितम्बर 2019) पर सर्वाधिक 23,27,09,000 रू. खर्च हुए थे और सबसे कम 23,86,536 रू. इस वर्ष 26-28 सितम्बर की जापान यात्रा में खर्च हुए थे।

'लालू के बिना तेजस्वी यादव कुछ भी नहीं'

प्रशांत किशोर ने कहा कि, तेजस्वी यादव व नीतीश कुमार बिहार में तीन में से दो उपचुनाव हार चुके हैं

- **प्रशांत किशोर ने कहा कि, ये दोनों नेता लगातार उपचुनाव हार रहे हैं, सिर्फ एक सीट जीत पाये हैं वो भी एक बाहूबली नेता की सीट थी, इस कारण जीत गये नहीं तो, वो भी हार जाते।**

पटना, 9 दिसम्बर। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार के सी.एम. नीतीश कुमार और डिप्टी सी.एम. तेजस्वी यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आर.जे.डी. अध्यक्ष लालू प्रसाद के बिना तेजस्वी यादव कुछ भी नहीं हैं। अपनी जन सुराज पदयात्रा के 69 वें दिन प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव जनता के साथ सिर्फ धोखा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब से ये सत्ता में आए हैं तब से तीन उपचुनाव हुए हैं, जिसमें दो में हार का सामना करना पड़ा है। एक चुनाव जीते, क्योंकि वो बाहुबली की सीट थी।

प्रशांत किशोर ने कहा कि उपचुनाव तो इनसे जीता नहीं जाता, ये मुझे चुनाव लड़ना क्या सिखाएंगे। उन्होंने कहा कि 2015 में मैंने इनकी मदद नहीं की होती तो क्या महागठबंधन को जीत हासिल होती? उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि तेजस्वी यादव को राजनीति की कितनी समझ है? 2015 में विधायक बने इससे पहले इनको कौन जानता था? बिहार की जनता ने इनको नहीं चुना है।

तेजस्वी के पहली कैबिनेट की बैठक में 10 लाख नौकरी दिए जाने के वादे को याद कराते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि वे कहते थे कि सत्ता में आए तो पहली कैबिनेट में 10 लाख लोगों को नौकरी देंगे, अब क्या उनकी पेन टूट गई है या स्याही सूख गई है?

प्रशांत किशोर ने राज्य की अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि सरकार की नाकामी के वजह से बिहार बर्बाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज बिहार के पैसों से गुजरात, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में उद्योग लगाया जा रहा है और बिहार के लोग उन राज्यों में जाकर मजदूरी कर रहे हैं।

चुनावी रणनीतिकार ने कहा कि राज्यों में पूंजी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी बैंकों की है। उन्होंने कहा कि देश के स्तर पर क्रेडिट डिपोजिट का आंकड़ा 70 फीसदी है, और बिहार में यह आंकड़ा पिछले 10 सालों से 25-40 प्रतिशत रहा है। उन्होंने कहा कि आर.जे.डी. के कार्यकाल में यह आंकड़ा 20 प्रतिशत से भी नीचे था। नीतीश कुमार के 17 साल के कार्यकाल में यह औसत 35 प्रतिशत है जो पिछले साल 40 प्रतिशत था।

पीके (प्रशांत किशोर) ने कहा कि इसका मतलब है कि बिहार में जो भी पैसा बैंकों में लोग जमा करा रहे हैं, उसका केवल 40 प्रतिशत ही लोन के तौर पर लोगों के लिए उपलब्ध है। जबकि विकसित राज्यों में 80 से 90 प्रतिशत तक बैंकों में जमा राशि लोन के लिए उपलब्ध है।

महाराष्ट्र व कर्नाटक के बीच बस सेवा बहाल हुई

कोल्हापुर, 9 दिसंबर (वार्ता)। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच जारी सीमा विवाद के बीच दोनों राज्यों में निलंबन के 72 घंटे बाद बस सेवाएं शुक्रवार को बहाल कर दी गईं। दरअसल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के एक विवादास्पद बयान के बाद दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद फिर से भड़क गया था, जिस कारण, महाराष्ट्र के वाहनों पर कर्नाटक के बेलगाम, हिरेबगवाड़ी टोल प्लाजा पर पथराव किया गया, जिसमें छह ट्रक क्षतिग्रस्त हो गए।

'आग लगी हमारी झौपड़ियों में, हम गायें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"देखो राहुल अपना वायदा भूल गए हैं। कांग्रेस इतनी भयभीत है कि उन्होंने अपना आखिरी दांव खेल दिया है और राहुल को गुजरात भेज दिया है।"

भाजपा के अलावा, मैं भी यही कहता कि राहुल अपने घोषित लक्ष्य से पीछे हट गए हैं कि वो भारत को जोड़ने के लिए यात्रा की योजना बना रहे हैं। उनका घोषित लक्ष्य चुनाव जीतना नहीं था।

और नई राजनीति की शुरूआत, दूसरा स्वतंत्रता आंदोलन और निरतंर बढ़ती उम्मीद सब कुछ खत्म हो जाता और देश की जनता भविष्य में किसी का भरोसा नहीं करती।

शुरू में जनता ने उनका भी भरोसा नही किया था, उसे लगा था यह भी कोई जुमला है। आठ साल से चल रहे झूठ और प्रपंच से थक चुकी जनता को हरेक नेता झूठा और ठग नजर आने लगा था।

इसलिए शुरूआत में यात्रा मार्ग पर हमें हजारों की भीड़ नही दिखाई थी।

क्या हम सोचते हैं कि एक "पप्पू" ऐसा करेगा? कांग्रेस में लम्बे आत्म मंथन की प्रक्रिया का नतीजा है। यात्रा और यात्रा में हाल ही में सोनिया और प्रियंका गांधी शामिल हुई और इसका लक्ष्य यह है, कि गांधी परिवार जनमानस से यह धारण हटाना चाहता है कि कांग्रेस वंशवादी पार्टी है।

सैकड़ों मील चलने के बाद राहुल सही तस्वीर उभारने और जनता के निचले से निचले तबके में उम्मीद पैदा करने में सफल हुए हैं।

इस प्रकार इसे "आशा यात्रा" भी कहा जा सकता है। और राहुल इतने समझदार हैं कि एक व्यर्थ के प्रचार अभियान के लिए इससे पीछे नही हटे।

मेरे एक स्कूल के दोस्त जो कांग्रेस के बड़े नेता है, और गुजरात चुनाव प्रचार में जुटे हुए थे, जब मैंने उनसे संभावित नतीजों के बारे में पूछा तो उन्होंने कोई झूठी उम्मीद नही दी। इस बात से स्पष्ट था कि गुजरात में ना तो सोनिया गांधी ने प्रयास किया, न ही प्रियंका ने।

इससे एक बात और पता चलती है कि कांग्रेस अब झूठी उम्मीद या दुस्साहस में नही जी रही है बल्कि अब यह "इंटैलीजैंस कम्युनिटी" से संचालित हो रही है जिसे मोदी अपनी बपौती मानते हैं।

कांग्रेस के पास सूचना थी कि मीडिया गुजरात में "मोदी लहर" सृजित करेगा और कांग्रेस भाजपा-आर.एस.एस. से प्रोत्साहित आप पार्टी के आने से होने वाले नुकसान का भी अनुमान लगा दिया था और इसलिए इसने चुनाव लो प्रोफाइल रखा और स्थानीय मुद्दों पर ही फोकस रखा।

राहुल ने समझदारी दिखाई यात्रा जारी रखी उस दौरान कई चर्चित हस्तियां भी उनके साथ आईं और समाज का निम्नतम तबका भी। और जब समाज का सबसे कमजोर वर्ग आप पर भरोसा करने लगता है तो सारा चुनावी गणित, जातिगत जनाधार पीछे छूट जाता है। एम.के. इस बड़े परिदृश्य को नही देख रहा है। एक राजनैतिक पार्टी के सामने विकल्प है कि या तो वह जन सेवा को त्याग दे और किसी भी तरीके से चुनाव जीतने पर ही ध्यान केन्द्रित कर ले या फिर यह पारम्परिक तरीके की राजनीति पर अमल करे जिस पर महात्मा गांधी चले थे।

'कोलीजियम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोलीजियम द्वारा पारित प्रस्ताव, चर्चा, और एजेंडा की कॉपी मांगी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट बैंच ने साफ किया कि कोलीजियम मीटिंग सार्वजनिक नहीं की जाएगी "सिर्फ फैसला ही अपलोड किया जाएगा।" उन्होंने कहा कि उस दिन चर्चा पूरी नहीं हुई थी इस लिए मीटिंग फैसला लिए बिना ही खत्म कर दी गई थी। कोर्ट ने कहा कि अंतिम प्रस्ताव पारित होने, उस पर कोलीजियम हस्ताक्षर होने के बाद ही उसे सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। इससे पहले चर्चा व विचार विमर्श की प्रक्रिया का पालन किया जाता है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908